HealthLinkBC

Hindi - Number 105
June 2022

डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस, हेपेटाइटिस बी, पोलियो, और *हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा* टाइप बी (डीटैप-ऐचबी-आईपीव-हिब) वैक्सीन

Diphtheria, Tetanus, Pertussis, Hepatitis B, Polio and *Haemophilus influenzae* type b (DTaP-HB-IPV-Hib) Vaccine

टीकाकरण ने पिछले 50 वर्षों में कनाडा में किसी भी अन्य स्वास्थ्य उपाय से अधिक जीवन बचाए हैं।

डीटैप-ऐचबी-आईपीव-हिब वैक्सीन क्या है?

यह वैक्सीन 6 बीमारियों के विरुद्ध रक्षा करती है:

- डिप्थीरिया
- टेटनस
- पर्टुसिस (काली खांसी)
- हेपेटाइटिस बी (ऐचबी)
- पोलियो (IPV)
- *हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा* टाइप बी (हिब)

हेल्थ कैनेडा ने वैक्सीन को मंज़ूरी दी है। यह आपके बच्चे के नियमित टीकाकरण के हिस्से के रूप में नि: शुल्क होगी। अपॉइंटमेंट लेने के लिए अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को कॉल करें।

डीटैप-ऐचबी-आईपीव-हिब वैक्सीन किसको दी जानी चाहिए?

शिशुओं को डीटीएपी-एचबी-आईपीवी-हिब वैक्सीन 3 खुराक की एक श्रृंखला के रूप में मिलती है। पहली खुराक 2 महीने की उम्र में, दूसरी 4 महीने में और तीसरी 6 महीने की उम्र में दी जाती है। उन्हें यह वैक्सीन उसी समय लगवानी चाहिए जब बचपन का अन्य टीकाकरण होता है।

डीटैप-ऐचबी-आईपीव-हिब वैक्सीन	**टीकाकरण पर बच्चे की उम्र**
1ली खुराक	2 महीने
2री खुराक	4 महीने
3री खुराक	6 महीने

डीटैप-ऐचबी-आईपीव-हिब वैक्सीन की बूस्टर खुराक 18 महीने की उम्र में दी जाती है। इस वैक्सीन में हेपेटाइटिस बी की वैक्सीन नहीं है क्योंकि बच्चों ने बचपन में ही हेपेटाइटिस बी की वैक्सीन की श्रृंखला पूरी कर ली है। अधिक जानकारी के लिए HealthLinkBC File #15b डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस, पोलियो, *हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा* टाइप बी (डीटैप-ऐचबी-आईपीव-हिब) वैक्सीन देखें।

प्राप्त किए गए सभी टीकाकरणों का रिकॉर्ड रखना महत्वपूर्ण है।

डीटैप-ऐचबी-आईपीव-हिब वैक्सीन के क्या लाभ हैं?

यह वैक्सीन आपके बच्चे को डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस, हेपेटाइटिस बी, पोलियो, और *हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा* टाइप बी से बचाने का सबसे अच्छा तरीका है। ये गंभीर और कभी-कभी घातक बीमारियां हैं। जब आप अपने बच्चे का टीकाकरण करवाते हैं, तो आप दूसरों की भी रक्षा करने में मदद करते हैं।

वैक्सीनों के बाद की संभावित प्रतिक्रियाएं क्या हैं?

वैक्सीनें बहुत सुरक्षित हैं। इनमें से 1 बीमारी से बीमार होने की तुलना में वैक्सीन प्राप्त करना अधिक सुरक्षित है।

वैक्सीन के लिए सामान्य प्रतिक्रियाओं में वैक्सीन लगाए जाने वाले स्थान पर पीड़ा, लाली, और सूजन शामिल हो सकती हैं। कुछ बच्चों को बुखार हो सकता है या वे चिड़चिड़ेपन, बेचैनी, उल्टी, दस्त, लगातार रोना या भूख न लगने का अनुभव कर सकते हैं। ये प्रतिक्रियाएं हल्की होती हैं और आम तौर पर 1 से 2 दिनों तक रहती हैं।

> बुखार या पीड़ा के लिए एसिटामिनोफेन (उदाहरणार्थ टायलेनॉल®) या इबुप्रोफेन* (उदाहरणार्थ एडविल®) दी जा सकती है। रे सिंड्रोम के जोखिम के कारण ASA (उदाहरणार्थ एस्पिरिन®) 18 वर्ष से कम उम्र के किसी भी व्यक्ति को नहीं दी जानी चाहिए।

*6 महीने से कम उम्र के बच्चों को पहले अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से बात किए बिना इबुप्रोफेन नहीं दी जानी चाहिए।

रे सिंड्रोम के बारे में जानकारी के लिए, HealthLinkBC File #84 रे सिंड्रोम देखें।

किसी भी वैक्सीन को प्राप्त करने के बाद 15 मिनट तक क्लिनिक में रहना महत्वपूर्ण है क्योंकि एनाफिलेक्सिस नामक एक जीवन को खतरे में डालने वाली एलर्जिक प्रतिक्रिया की अत्यंत दुर्लभ, एक मिलियन में से 1 से कम, संभावना हो सकती है। इसमें पित्ती (hives), सांस लेने में कठिनाई या गले, जीभ या होंठ में सूजन शामिल हो सकती हैं। यदि यह प्रतिक्रिया होती है, तो आपका स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता इसका इलाज कर सकता है। यदि यह प्रतिक्रिया होती है, तो आपका स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता इसका इलाज कर सकता है। यदि लक्षण आपके क्लिनिक से जाने के बाद

विकसित होते हैं, तो **9-1-1** या अपने स्थानीय आपातकालीन नंबर को कॉल करें।

गंभीर या अप्रत्याशित प्रतिक्रियाओं के बारे में हमेशा अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता को बताना महत्वपूर्ण है।

डीटैप-ऐचबी-आईपीव-हिब वैक्सीन किसको नहीं दी जानी चाहिए?

एक स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से बात करें यदि आपके बच्चे को डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस, हेपेटाइटिस बी, पोलियो, या हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी वैक्सीन, या वैक्सीन के किसी भी हिस्से, जिसमें नियोमाइसिन और पॉलीमीक्सिन शामिल हैं, की पिछली खुराक के लिए जानलेवा प्रतिक्रिया हुई है।

जिन बच्चों ने टेटनस की वैक्सीन लगवाने के 8 सप्ताह के भीतर गिलान-बारे सिंड्रोम (GBS) विकसित कर लिया है, बिना किसी अन्य कारण की पहचान किए, उन्हें डीटैप-ऐचबी-आईपीव-हिब वैक्सीन नहीं लगवानी चाहिए। GBS एक ऐसी स्थिति है जिसके परिणामस्वरूप शरीर की मांसपेशियों की कमजोरी और लक़वा हो सकता है। यह आमतौर पर संक्रमण के बाद होता है, लेकिन दुर्लभ मामलों में कुछ वैक्सीनों के बाद भी हो सकता है।

वैक्सीन आमतौर पर 7 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों को नहीं दी जाती है।

जुकाम या अन्य हल्की बीमारी के कारण टीकाकरण में देरी करने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, अगर आपको चिंताएं है, तो अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता से बात करें।

डिप्थीरिया, टेटनस, पर्टुसिस, हेपेटाइटिस बी, पोलियो, और *हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा* टाइप बी क्या हैं?

डिप्थीरिया, डिप्थीरिया बैक्टीरिया के कारण होने वाला नाक और गले का एक गंभीर संक्रमण है। यह बैक्टीरिया छींकने या खांसने वाले लोगों द्वारा हवा में या सीधे त्वचा से त्वचा के संपर्क में आने से फैलते हैं। इस बीमारी के परिणामस्वरूप सांस लेने में बहुत गंभीर समस्याएं हो सकती है। यह दिल के फेल होने और लक़वे का कारण भी बन सकता है। डिप्थीरिया से पीड़ित 10 में से लगभग 1 व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

टेटनस, जिसे लॉकजॉ (lockjaw) भी कहा जाता है, ज्यादातर मिट्टी में पाए जाने वाले बैक्टीरिया के कारण होता है। जब बैक्टीरिया घाव या खरोंच के माध्यम से त्वचा में प्रवेश करते हैं, तो वे एक जहर पैदा करते हैं जो पूरे शरीर में मांसपेशियों की दर्दनाक जकड़न का कारण बन सकता है। यदि सांस लेने वाली मांसपेशियां प्रभावित हो जाएं तो यह बहुत गंभीर है। टेटनस से पीड़ित 5 में से 1 व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है।

पर्टुसिस, जिसे काली खांसी भी कहा जाता है, पर्टुसिस बैक्टीरिया के कारण होने वाला वायुमार्ग का एक गंभीर संक्रमण है। यह बैक्टीरिया खांसने, छींकने या नज़दीकी आमने-सामने संपर्क से आसानी से फैल जाते हैं। पर्टुसिस निमोनिया, दौरों, मस्तिष्क क्षति या मृत्यु का कारण बन सकता है। ये जटिलताएं सबसे अधिक बार शिशुओं में देखी जाती हैं। पर्टुसिस गंभीर खाँसी का कारण बन सकता है जो अक्सर अगली सांस से पहले एक कर्कश ध्वनि के साथ समाप्त होती है। यह खांसी कई महीनों तक रह सकती है और अक्सर रात में सब से अधिक बार होती है। पर्टुसिस से पीड़ित 170 में से 1 शिशु की मृत्यु हो सकती है।

हेपेटाइटिस बी एक वायरस है जो जिगर पर हमला करता है। यह सिरोसिस नामक स्थायी जिगर की क्षति सहित गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। हेपेटाइटिस बी भी लीवर कैंसर के प्रमुख कारणों में से 1 है, जो घातक हो सकता है। हेपेटाइटिस बी वायरस, वायरस से संक्रमित व्यक्ति के रक्त या शरीर के तरल पदार्थ के संपर्क में आने से फैलता है। जो माताएं हेपेटाइटिस बी वायरस से संक्रमित हैं, वे प्रसव के दौरान अपने नवजात शिशुओं को वायरस दे सकती हैं। जब छोटे बच्चे हेपेटाइटिस बी वायरस से संक्रमित हो जाते हैं तो उनमें अक्सर लक्षण नहीं होते हैं लेकिन अधिकांश जीवन भर संक्रमित रहेंगे। इसलिए कम उम्र में वैक्सीन से बचाव प्राप्त करना जरूरी है।

पोलियो एक विषाणु के संक्रमण से होने वाली बीमारी है। जबकि अधिकांश पोलियो संक्रमण कोई लक्षण नहीं दिखाते हैं, कुछ अन्य के परिणामस्वरूप बांहों या टांगों का लक़वा हो सकता है और यहां तक कि मृत्यु भी हो सकती है। पोलियो वायरस से संक्रमित 200 में से लगभग 1 व्यक्ति में लक़वा होता है। पोलियो संक्रमित व्यक्ति के मल त्याग (मल) के संपर्क में आने से फैल सकता है। यह मल से दूषित भोजन खाने या पानी पीने से हो सकता है।

***हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा* टाइप बी** एक बैक्टीरिया है जो आमतौर पर 5 साल से कम उम्र के बच्चों को संक्रमित करता है। यह गंभीर और जानलेवा संक्रमण पैदा कर सकता है, जिसमें मेनिन्जाइटिस, मस्तिष्क को ढकने वाले अस्तर का संक्रमण, और सेप्टीसीमिया, रक्त का संक्रमण शामिल हैं। *हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा* टाइप बी संक्रमण खांसने, छींकने या आमने-सामने संपर्क करने से फैलता है। बीमार होने वाले प्रत्येक 20 बच्चों में से 1 की मृत्यु हो सकती है।

BRITISH COLUMBIA | ImmunizeBC | BC Centre for Disease Control, Provincial Health Services Authority